



उत्तराखण्ड प्रालम्ब - 26
UTTARAKHAND निबन्धन क दीउर
OOAA 958790

50 रुनी खिले विधान सभा... निर्वचन क्षेत्र से
 निर्वचन क्षेत्र का नाम

उत्तराखण्ड विधानसभा के तदन का नानु के तिर निर्वचन के तिर रेटोनिम
 आफतर के समक्ष अम्कर्ण द्वारा प्रस्तुत बिब्य जान वाता शापथ-पत्र
 मे ... अहिन्दु सिद्ध... पुत्र/पुत्री/पत्नी ... श्री हरशिमि...
 जायु 39 वर्ष, जो शापथ पत्र ... श्री हरशिमि ... का/को निवाती हूँ
 और उपरोक्त निर्वचन मे अम्कर्ण हूँ, तत्व निष्ठा से प्रीवडा करता हूँ/करती हूँ
 शापथ पर निम्नीतीउत कसन करता हूँ/करती हूँ

Mahesh Singh
 Mohan Singh
 Bhikyasen Almorah
 11-1-2012

सपथ पत्र प्राप्त 26 फरवरी 2012

Suman Gupta
 Notary, Advocate,
 Bhikyasen (Almorah)

प्रारूप-26

(नियम 4 क देखिए)

50 रानीरत विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

उत्तराखण्ड विधान सभा (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाला शपथ-पत्र

में सहबुद्ध सिंह पुत्र/पुत्री/पत्नी मोहन सिंह

आयु 39 वर्ष, जो गांधी एन वाय फो कर्पोरल एन. अल्पाका /क्री निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ/शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :-

1- एक वर्षों लांबत मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/क्री अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी):

- (i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएं लाग नहीं
(ii) पुलिस थाना (थाने) लाग नहीं जिला (जिले) लाग नहीं राज्य लाग नहीं
(iii) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारार) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी आरोपित किया गया है लाग नहीं

(iv) न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई लाग नहीं

(v) तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किया गया था/किए गए थे लाग नहीं

(vi) क्या सगी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं लाग नहीं

2- मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दंडादिष्ट क्रियम भंग है/नहीं किया गया है।

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा)

- (i) मामला प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएं लाग नहीं
(ii) न्यायालय, जिसने दंडित किया है लाग नहीं

(7)



- (iii) पुलिस थाना (थाने) लागू नहीं जिला (जिले) लागू नहीं राज्य लागू नहीं
- (iv) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्था कमी आरोपित किया गया है) लागू नहीं
- (v) तारीख (तारीखें) जिनको दंडादेश सुनाया गया था/सुनाए गए थे लागू नहीं
- (vi) क्या दंडादेश सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोका गया है/रोके गए हैं लागू नहीं



स्थान: भोकरपासा
 तारीख: 10-01-2012

[Signature]
 अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं, ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित और घोषित करता/करती हूँ कि इस शपथपत्र की अंतर्वस्तु मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्विक बात छिपायी नहीं गई है।

भोकरपासा स्थान पर आज तारीख 10-01-2012 को सत्यापित किया।

[Signature]
 अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

टिप्पणी: इस प्ररूप के वे स्तंभ, जो अभिसाक्षी को लागू नहीं है, काट दिए जाएं।